

दिव्य दर्शन श्याम का | By Sachin Sharma

दिव्य दर्शन है बाबा का दिव्य ये दरबार है
दिव्य श्याम की मूर्ति और दिव्य ये श्रृंगार है
दिव्य हैं ये प्रेमी सारे बैठे हैं दरबार में
दिव्य श्याम का नूर है जो फैला है संसार में
श्यामजय जय जय श्री श्याम

आपकी कृपा से बाबा हो रहे सब काम है
आपकी कृपा से बाबा जग में मेरा नाम है
आपकी कृपा से बाबा ले रहे हम श्वास हैं
आपकी कृपा ही बाबा जगत में विख्यात है
धाम ऊँचा नाम ऊँचा सच्चा ये दरबार है
आपका गुणगान बाबा कर रहा संसार है
श्यामजय जय जय श्री श्याम

भक्त तेरे दर पे आये हाथ अपने पसार कर
एक आशा सबकी है बाबा तू हमसे प्यार कर
हम तो तेरे दास हैं हम सबको तेरी आस है
तेरे ही तो दर्श की भक्तों को तेरे प्यास है
दिव्यता का भान बाबा हमको तेरा हो गया
अब तो बेडा पार सचिन हम जो सबका हो गया
श्यामजय जय जय श्री श्याम

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a5%8d%e0%a4%af-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-sachin-sharma/>